पतंजलि विश्वविद्यालय
University of Patanjali
उत्तराखण्ड विधान मण्डल द्वारा पारित पतंजलि विश्वविद्यालय अधिनियम संख्या 4, वर्ष 2006 के अन्तर्गत स्थापित
Established by Uttarakhand State Legislature Under the University of Patanjali Act No. 4, Year 2006

पत्रांक (Ref.) : ..... दिनांक (Date) : 21.06.2025

प्रेस विज्ञप्ति

हरित योग कार्यक्रम के अंतर्गत पतंजलि विश्वविद्यालय द्वारा वृक्षारोपण एवं गंगा सफाई अभियान

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयुष मंत्रालय द्वारा पतंजलि विश्वविद्यालय को "हरित योग कार्यक्रम" हेतु 2 लाख की अनुदान राशि

हरिद्वार, 21 जून : अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के पावन अवसर पर पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार द्वारा "हरित योग कार्यक्रम" के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता हेतु वृक्षारोपण एवं गंगा सफाई जैसे जन-कल्याणकारी कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर, गौशाला एवं वैलनेस सेंटर में औषधीय एवं छायादार वृक्षों का सामूहिक रोपण किया गया, वहीं ऋषिकुल घाट पर गंगा स्वच्छता अभियान के अंतर्गत गंगा के तट की सफाई की गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रति-कुलपति प्रो. मयंक कुमार अग्रवाल, कुलसचिव श्री आलोक कुमार सिंह, डीन अकादमिक डॉ. ऋत्विक बिसारिया, परीक्षा नियंत्रक प्रो. अरविंद कुमार सिंह, प्राकृतिक एवं योग चिकित्सा के विभागाध्यक्ष डॉ. कनक सोनी सहित समस्त अधिकारीगण , शिक्षकगण, प्रशिक्षक, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक सम्मिलित हुए।

योग और आयुर्वेद के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही पतंजलि विश्वविद्यालय को "हरित योग कार्यक्रम" के आयोजन हेतु मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दो लाख की अनुदान राशि प्रदान की गई है।

इस संदर्भ में दिनांक 13 जून 2025 को मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान द्वारा औपचारिक स्वीकृति आदेश जारी किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण को इस कार्यक्रम के लिए सैद्धांतिक अनुमोदन प्रदान किया गया है।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण एवं योग के समन्वय को प्रोत्साहित करते हुए समाज को हरित जीवनशैली और सतत स्वास्थ्य की दिशा में प्रेरित करना है। यह पहल योग, प्रकृति और स्वच्छता के गहरे संबंध को उजागर करते हुए समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का संदेश देती है।

पतंजलि विश्वविद्यालय, आयुष मंत्रालय एवं मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से किया गया यह प्रयास देशभर में पर्यावरणीय चेतना एवं स्वास्थ्य-संवेदनशील गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय और प्रेरणादायक कदम सिद्ध होगा।